राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में "शिक्षण संस्थाओं मे व्यावहारिक हिन्दी की उपयोगिता" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 30.03..2026 को आयोजित -रिपोर्ट

आज दिनांक **30.03..2026** को श्यामलाल महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिंदी विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में "**शिक्षण संस्थाओं मे व्यावहारिक हिन्दी की उपयोगिता**"' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता और संवेदनशीलता उत्पन्न करना था ताकि महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिल सकें।

कार्यक्रम का संचालन राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक एवं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी ने किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री केवल कृष्ण का स्वागत श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी जी ने पौधा देकर किया, तत्पश्चात हिंदी विभाग के डॉ. सत्यप्रिय पांडेय ने राजभाषा हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सबको अपनी राजभाषा का सम्मान करना चाहिए।

तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री केवल कृष्ण ने अपने वक्तव्य में "**शिक्षण संस्थाओं मे व्यावहारिक हिन्दी की उपयोगिता**" **पर** प्रकाश डालते हुए वर्तमान में राजभाषा के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया ।कार्यक्रम के वक्ता श्री केवल कृष्ण जी ने राजभाषा नीति के महत्व को बताया। इसके पश्चात श्री केवल जी ने कार्यशाला हिंदी,टंकण, हिंदी टिप्पण और मसौदा लेखन के लिए महत्वपूर्ण ई - टूल्स को बताया। आपने अनुवादिनी, भाषिनी , कंठस्थ 3.0 , हिंदी शब्द सिंधु वर्जन 2.0 हिंदी शब्दकोश, लीला - प्रबोध, प्रवीण एवं प्रज्ञा, लीला हिंदी प्रवाह, , अनुवाद को कैसे प्रयोग कियाजाए, इसका प्रशिक्षण सभी शैक्षणिक, गैर - शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों को दिया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर वी के वाजपेई जी ने कहा हम सभी कार्यों को बड़ी आसानी से हिंदी में कर सकते हैं और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित कर सकते हैं।

कार्यक्रम में श्री डॉ. वी.के.बाजपेयी ने प्रधानाचार्य, श्यामलाल कॉलेज श्री रबि नारायण कर, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की संयोजक प्रो. कुशा तिवारी, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री केवल कृष्ण एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का धन्यवाद अर्पण किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

डॉ. सत्यप्रिय पांडेय ने अंत में सभी का धन्यवाद किया।